**भारत सरकार**

**महिला एवं बाल विकास मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 763**

**दिनांक 16 अगस्त, 2012 को उत्तर के लिए**

**कुपोषण को खत्म करने हेतु योजना**

4763. **श्री कप्तान सिंह सोलंकी** :

क्या **महिला एवं बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) : क्या यह सच है कि तमाम कोशिशों के बाद भी देश में कुपोषण कम नहीं हो पा रहा है ;

(ख) : यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) : क्या सरकार ने कुपोषण को खत्म करने हेतु कोई योजना बनाई है ;

(घ) : यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) : देश में कुपोषण की राज्य-वार क्या स्थिति है ?

**उत्तर**

**श्रीमती कृष्णा तीरथ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

(क) और (ख) : राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-3 (2005-06) के अनुसार देश में 5 वर्ष से कम आयु के 42.5% बच्चे अल्पवजनी हैं तथा 15-49 वर्ष के आयु वर्ग की 55.6 % महिलाएं ऊर्जा की दीर्धकालिक कमी (कम बॉडीमास इंडेक्स के रूप में मापित) से ग्रस्त हैं ।

 अल्प पोषण में कमी आई है चूंकि 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों में, अल्पवजनी की व्याप्तता वर्ष 1988-99 (एनएफएचएस-2) में 42.7% से घट कर वर्ष 2005-06 (एनएफएचएस-3) में 40.4% रह गई है । 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों में रक्ताल्पता (एनएफएचएस-2) में 74.3% से बढक़र (एनएफएचएस-3) में 78.91% हो गई है ।

 कुपोषण जटिल, बहुआयामी और पीढी दर पीढी चलने वाली समस्या है और इसमें केवल एक क्षेत्र के द्वारा सुधार नहीं लाया जा सकता है । इसके अनेक कारण हैं, जिनमें अपर्याप्त आहार लेना, बार-बार संक्रमित होना, सुरक्षित पेय जल और समुचित स्वच्छता की उपलब्धता न होना, विशेषकर महिलाओं में निरक्षरता, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की कमी, कम क्रय शक्ति, बालिकाओं का कम आयु में विवाह, गर्भावस्था और शैशवकाल के दौरान देखरेख की कमी, शिशुओं और छोटे बच्चों की पोषाहारीय आवश्यकताओं की जानकारी न होना आदि जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक कारण शामिल हैं ।

(ग) और (घ) : कुपोषण का समाधान करने के लिए द्विआयामी दृष्टिकोण अपनाया गया है : सभी क्षेत्रों के लिए योजनाओंकार्यक्रमों पोषण लक्षित करने में कुपोषण निर्धारकों पर त्वरित कार्रवाई के लिए बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण । दूसरा दृष्टिकोण प्रत्यक्ष और विशिष्ट उपाय हैं तथा 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती तथा स्तन पान कराने वाली माताओं जैसे असुरक्षित वर्गों के प्रति विशिष्ट उपाय लक्षित है ।

 सरकार ने देश में कुपोषण की समस्या को प्राथमिकता दी है और राज्य सरकारोंसंघ राज्य प्रशासनों के माध्यम से विभिन्न मंत्रालयोंविभागों की अनेक स्कीमोंकार्यक्रमों का क्रियान्वयन कर रही है । इन कार्यक्रमों में समेकित बाल विकास सेवा स्कीम, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, मध्याह्न भोजन स्कीम, राजीव गांधी किशोरी सशक्तीकरण स्कीम अर्थात सबला, इंदिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना जैसे प्रत्यक्ष लक्षित उपाय शामिल हैं । इसके अलावा अप्रत्यक्ष बहु-क्षेत्रीय उपायों में लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय बागवानी मिशन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी स्कीम (मनरेगा), सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण पेय जल कार्यक्रम आदि शामिल हैं ।

 इसके अलावा पोषाहारीय स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा लिए गए हालिया निर्णय है: (i) गर्भवती और धात्री माताओं तथा तीन वर्ष से कम आयु के बच्चों पर विशेष ध्यान देते हुए आई सी डी एस को सुदृढ और पुनर्गठित करना (ii) चुनिंदा 200 अति प्रभवित जिलों में माताओं और बच्चों के कुपोषण का समाधान करने के लिए बहु-क्षेत्रीय कार्यक्रम तैयार करना (iii) कुपोषण के विरूध्द देशव्यापी सूचना, शिक्षा और संचार अभियान चलाना और (iv) स्वास्थ्य, पेय जल आपूर्ति एवं स्वच्छता, स्कूली शिक्षा, कृषि खाद्य और सार्वजनिक वितरण जैसे क्षेत्रों के कार्यक्रमों में पोषण पर विशेष रूप से ध्यान देना । इसके अलावा, प्रस्तावित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा विधेयक भी खाद्य सुरक्षा में योगदान करेगा ।

(ड) : अल्पवजनी और खून की कमी वाले बच्चों और महिलाओं का राज्य-वार ब्यौरा **अनुलग्नक ।** और **अनुलग्नक-॥** दिया गया है ।

\*\*\*\*\*

**अनुलग्नक-1**

**Þ कुपोषण को खत्म करने हतु योजना न्न विषय पर श्री कप्तान सिंह सोलंकी द्वारा दिनांक 16 अगस्त, 2012 को पूछे जाने वाले राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 763 के उत्तर के भाग (ड.) में संदर्भित विवरण**

**राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-3 (2005-06) के अनुसार 5 वर्ष से कम आयु के अल्पवजनी बच्चे और 15 से 49 वर्ष की महिलाओं में ऊर्जा की दीर्घकालिक कमी की व्याप्तता का राज्य-वार ब्यौरा**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **राज्य** | **5 वर्ष से कम आयु के अल्पवजनी बच्चों का प्रतिशत** | **15 से 49 वर्ष की महिलाओं का प्रतिशत (बीएमआई समान्य से कम )** |
| 1 | आन्ध्र प्रदेश | 32.5 | 33.5 |
| 2 | असम | 36.4 | 36.5 |
| 3 | अरूणाचल प्रदेश | 32.5 | 16.4 |
| 4 | बिहार | 55.9 | 45.1 |
| 5 | छत्तीसगढ | 47.1 | 43.4 |
| 6 | दिल्ली | 26.1 | 14.8 |
| 7 | गोवा  | 25.0 | 27.9 |
| 8 | गुजरात  | 44.6 | 36.3 |
| 9 | हरियाणा  | 39.6 | 31.3 |
| 10 | हिमाचल प्रदेश  | 36.5 | 29.9 |
| 11 | जम्मू व कश्मीर | 25.6 | 24.6 |
| 12 | झारखण्ड  | 56.5 | 43.0 |
| 13 | कर्नाटक  | 37.6 | 35.5 |
| 14 | केरल  | 22.9 | 18.0 |
| 15 | मध्य प्रदेश  | 60.0 | 41.7 |
| 16 | महाराष्ट्र | 37.0 | 36.2 |
| 17 | मणिपुर | 22.1 | 14.8 |
| 18 | मेघालय  | 48.8 | 14.6 |
| 19 | मिजोरम  | 19.9 | 14.4 |
| 20 | नागालैण्ड  | 25.2 | 17.4 |
| 21 | ओडिशा  | 40.7 | 41.4 |
| 22 | पंजाब  | 24.9 | 18.9 |
| 23 | राजस्थान | 39.9 | 36.7 |
| 24 | सिक्किम  | 19.7 | 11.2 |
| 25 | तमिलनाडु  | 29.8 | 28.4 |
| 26 | त्रिपुरा | 39.6 | 36.9 |
| 27 | उत्तर प्रदेश  | 42.4 | 36.0 |
| 28 | उत्तराखण्ड  | 38.0 | 30.0 |
| 29 | पश्चिम बंगाल  | 38.7 | 39.1 |
|  | **भारत** | **42.5** | **35.6** |

**अनुलग्नक-2**

**“कुपोषण को खत्म करने हतु योजना” विषय पर श्री कप्तान सिंह सोलंकी द्वारा दिनांक 16 अगस्त, 2012 को पूछे जाने वाले राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 763 के उत्तर के भाग (ड.) में संदर्भित विवरण**

**राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-3 (2005-06) के अनुसार बच्चों और महिलाओं में रक्तालप्ता का राज्य-वार ब्यौरा**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **राज्य** | **रक्तालप्ता** |
| **6 से 59 माह के बच्चों का प्रतिशत्र**  | **15 से 49 वर्ष की महिलाओं का प्रतिशत** |
| 1 | आन्ध्र प्रदेश | 70.8 | 62.9 |
| 2 | असम | 69.6 | 69.5 |
| 3 | अरूणाचल प्रदेश | 56.9 | 50.6 |
| 4 | बिहार | 78.0 | 67.4 |
| 5 | छत्तीसगढ | 71.2 | 57.5 |
| 6 | दिल्ली | 57.0 | 44.3 |
| 7 | गोवा  | 38.2 | 38.0 |
| 8 | गुजरात  | 69.7 | 55.3 |
| 9 | हरियाणा  | 72.3 | 56.1 |
| 10 | हिमाचल प्रदेश  | 54.7 | 43.3 |
| 11 | जम्मू व कश्मीर | 58.6 | 52.1 |
| 12 | झारखण्ड  | 70.3 | 69.5 |
| 13 | कर्नाटक  | 70.4 | 51.5 |
| 14 | केरल  | 44.5 | 32.8 |
| 15 | मध्य प्रदेश  | 74.1 | 56.0 |
| 16 | महाराष्ट्र | 63.4 | 48.4 |
| 17 | मणिपुर | 49.1 | 35.7 |
| 18 | मेघालय  | 64.4 | 47.2 |
| 19 | मिजोरम  | 44.2 | 38.6 |
| 20 | नागालैण्ड  | उपलब्ध नहीं | उपलब्ध नहीं |
| 21 | ओडिशा  | 65.0 | 61.2 |
| 22 | पंजाब  | 66.4 | 38.0 |
| 23 | राजस्थान | 69.7 | 53.1 |
| 24 | सिक्किम  | 59.2 | 60.0 |
| 25 | तमिलनाडु  | 64.2 | 53.2 |
| 26 | त्रिपुरा | 62.9 | 65.1 |
| 27 | उत्तर प्रदेश  | 73.9 | 49.9 |
| 28 | उत्तराखण्ड  | 61.4 | 55.2 |
| 29 | पश्चिम बंगाल  | 61.0 | 63.2 |
|  | **भारत** | **69.5** | **55.3** |